गैंगवार में मारा गया कुख्यात बदमाश सितेंद्र

तीन गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने किए 50 राउंड फायर, 11 मामलों में आरोपी रह चुका है सितेंद्र उर्फ काला

जागरण संवाददाता, सोनीपत : भदाना गांव के पास कुख्यात बदमाश सितेंद्र उर्फ काला की एक दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी। हमलावरों ने फिल्मी अंदाज में सरेआम वारदात को अंजाम दिया। सितेंद्र को खेतों में भगाकर गोलियां बरसाईं। इस दौरान करीब 50 राउंड फायर किए गए। सितेंद्र को 12 गोलियां लगी हैं। हमलावरों ने उसके साथी पर कोई गोली नहीं चलाई।

सितेंद्र उर्फ काला

भदाना निवासी सितेंद्र उर्फ काला शनिवार को गोहाना से अपनी गाड़ी में गांव की तरफ जा रहा था। उसके साथ एक अन्य युवक भी था। ककरोई से भदाना की तरफ जाते वक्त गांव से पहले ही तीन गाड़ियों में सवार होकर आए अनिल उर्फ लीला गैंग के करीब 15 हमलावरों ने उनकी गाड़ी के आगे अपनी गाड़ियों को अड़ा दिया। इसके बाद हमलावरों ने सितेंद्र की गाड़ी पर गोलियां दागनी शुरू कर दी। हमले के बाद सितेंद्र गाड़ी से नीचे उतरकर खेतों में भागने में लगा। हमलावरों ने उस पर गोलियां बरसानी जारी रखी। मामले की सूचना सदर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी अजय मलिक ने मौके का निरीक्षण किया। बाद में डीएसपी मुकेश कुमार ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने सितेंद्र के परिजन जसमेर के बयान पर गांव के अनिल उर्फ लीला, सन्नी, रामकुमार, अमित व संजय सहित 15 हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। सितेंद्र पर हरियाणा व दिल्ली में तीन हत्याओं सहित 11 मामले दर्ज थे, जिसमें अनिल उर्फ लीला के भाई की हत्या का आरोप भी शामिल है। बताया गया है कि उसी का बदला लेने के लिए अनिल ने वारदात को अंजाम दिया है।

दो लाख का इनामी संजीव काला गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बहादुरगढ़ (झज्जर) : प्रदेश के मोस्ट वांटेड में अपराधियों में शामिल संजीव उर्फ काला को बहादुरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने काला पर दो लाख का इनाम घोषित कर रखा है। मांडोठी गांव के प्रमुख सरगना करतार के छोटे भाई संजीव काला वर्ष 2014 में जेल से छुट्टी पर आने के बाद वह फरार हो गया था। फिलहाल उसका इरादा पंचायत चुनाव के दौरान विरोधी गुट को निशाना बनाने का था, मगर सुरक्षा इंतजामों के चलते वह इसमें विफल रहा। गिरफ्तारी के दौरान काला से पुलिस ने दो अवैध हथियार बरामद किए है। इस पर उसके खिलाफ अभियोग दर्ज किया है। अब तक उस पर बहादुरगढ़ के अलावा रोहतक, गुड़गांव व सोनीपत के मिलाकर कुल 15 मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें ज्यादातर हत्या और हत्या की कोशिश के हैं। अंतिम वारदातों में इसने अपने साथियों से मिलकर दुल्हेड़ा गांव में चौहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। झज्जर के एसपी सुमित कुमार ने बताया कि अक्टूबर 2014 में काला जेल से पत्नी का इलाज कराने के लिए चार दिन की छुट्टी लेकर आया था। मगर फरार हो गया था। बाद में उसने बहादुरगढ़ के ही ताल नगर औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों से रंगदारी वसूलने की कोशिश की थी। पुलिस ने तभी से उसकी घेराबंदी शुरू कर रखी थी। अब इसमें सफलता मिली है।

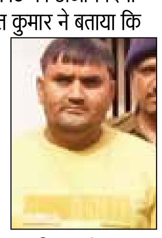

संजीव उर्फ काला

ऐसे हुई गिरफ्तारी : सदर थाना बहादुरगढ़ के प्रभारी बिजेंद्र सिंह की टीम को सूचना थी कि काला अपने गांव मांडोठी आ रहा है। पुलिस ने उसे काबू कर लिया। उसके पास से 9 एमएम और 32 बोर के दो पिस्तौल बरामद हुए।

> काला के गिरफ्तार होने से गैंगवार के कई मामलों के खुलासा होने की संभावना है। डीजीपी पुलिस कार्यालय से काला पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित है। काला ने पंचायत चुनाव के दौरान भी अशांति फैलाने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता से इसके मंसूबे कामयाब नहीं हो पाए थे। **–सुमित कुमार, एसपी।**

17 साल से अपराध जगत में

चार भाइयों में से एक काला वर्ष 1998 से अपराध जगत में सक्रिय बताया जाता है। संजीव के कई साथियों को पुलिस ने विगत में गिरफ्तार किया था। फिलहाल मांडौठी गैंगवार से ही जुड़े हेमचंद्र और ज्ञानेंद्र उर्फ गड़गू अभी फरार चल रहें हैं।

पिछड़ा वर्ग का रेलवे ट्रैक पर धरना 21 फरवरी को

जागरण संवाददाता, झज्जर : रोहतक के लाहली गांव में 21 फरवरी को आरक्षण कोटे के साथ छेड़छाड़ के मामले को लेकर पिछड़ा वर्ग रेलवे ट्रैक पर धरना प्रदर्शन करेगा। यह बात जिले के छबीली गांव में शनिवार को मुकेश सोनी की अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग की हुई बैठक को संबोधित करते हुए तेजबीर सैन ने कही। उन्होंने कहा कि आरक्षण हमारे पूर्वजों की कुर्बानी का फल है। 27 प्रतिशत कोटे में किसी भी जाति को घुसने नहीं दिया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि आरक्षण कोटे के साथ छेड़छाड़ करने को लेकर गुड़गांव जिले के फरुखनगर में 14 फरवरी को पिछड़ा वर्ग की क्रांति रैली होगी। यदि वक्त रहते सरकार नहीं जागी तो आरक्षण को बचाने के लिए पिछड़ा वर्ग 21 फरवरी को हलका कलानौर के लाहली गांव में रेवले ट्रैक पर डेरा डालेगा। पिछड़ा वर्ग नेता तेजबीर सैन ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लोग राजनीति में अपना कोटा बढ़वाना चाहते हैं। आज तक उन्हें महज 7 प्रतिशत की कोटा मिला है।

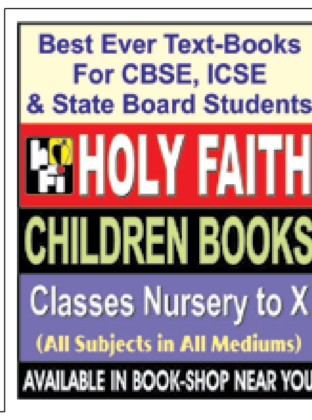

2.23 लाख में खरीदी जा रही थी 80 हजार की डेंटल चेयर

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

- गुजरात की कंपनी को जम्मू कश्मीर सरकार कर चुकी थी ब्लैक लिस्टेड
- ब्लैड लिस्टेड होने के बाद दिया कंपनी को खरीद आर्डर

हरियाणा की पिछली हुड्डा सरकार ने सिविल अस्पतालों के लिए डेंटल चेयर्स की खरीद का आर्डर जिस कंपनी को दिया था, वह गुजरात की थी, लेकिन जम्मू-कश्मीर में ब्लैक लिस्टेड हो चुकी थी। मार्केट में एक डेंटल चेयर की कीमत करीब 80 हजार रुपये है, जबकि कंपनी से 2.23 लाख रुपये में खरीदी जा रही थी। कुछ चेयर कंपनी ने सप्लाई भी कर दी थी, लेकिन करीब 50 चेयर मूल्य अधिक होने तथा समय से डिलीवर नहीं किए जाने के कारण स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कंपनी का आर्डर निरस्त कर दिया था।

विज करीब 6 करोड़ रुपये के हेपेटाइटिस बी व सी के इलाज में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन के आर्डर भी निरस्त कर चुके हैं। मार्केट में एक इंजेक्शन की कीमत करीब 4 हजार रुपये है, जबकि 600 रुपये में टेबलेट उपलब्ध है। ऐसा प्रस्ताव बनाने वाले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अब मंत्री के निशाने पर हैं। उनके विरुद्ध विभागीय जांच बैठा दी गई है। डेंटल चेयर के आर्डर निरस्त किए जाने के मंत्री के आदेशों के खिलाफ कंपनी हाईकोर्ट गई थी, मगर उसे वहां से भी राहत नहीं मिली है।

अब विज डेंटल चेयर खरीद मामले की जांच कराने की तैयारी में हैं। इस कंपनी को जम्मू-कश्मीर सरकार ने 23 जून, 2014 को वर्ष 2014-15 के लिए ब्लैक लिस्ट किया था और टेंडर प्रक्रिया से डिबार (अयोग्य) कर दिया था। हरियाणा के स्वास्थ्य महानिदेशक (तत्कालीन) ने विधानसभा चुनाव के दौरान 13 अक्टूबर, 2014 को इस फर्म को 23 डेंटल चेयर की सप्लाई का आदेश दिया। यह चेयर फरीदाबाद, सोनीपत, हिसार, पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, रोहतक, झज्जर, गुड़गांव, फतेहाबाद, जींद, रेवाड़ी और सिरसा सिविल अस्पतालों में सप्लाई होनी थी। बाद में पता चला कि करीब 100 डेंटल चेयर सप्लाई होनी है, मगर मंत्री के आर्डर निरस्त किए जाने तक 50 चेयर आनी बाकी रह गई थी।

मेरे हाथ से नहीं बचेंगे गलत काम करने वाले

मेरे रहते कम से कम मेरे विभागों में तो भ्रष्टाचार संभव नहीं है। मेरी जानकारी में जो भी गलत मामला आता है, मैं उसकी जांच कराता हूं। डेंटल चेयर खरीद मामले में भी कहीं न कहीं गड़बड़ है। मैंने आर्डर निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट ने हमारी सरकार के फैसले पर मुहर लगाई है। मैंने पूरे मामले की दोबारा से पड़ताल के लिए फाइल मंगवाई है। मेरे हाथ से गलत काम करने वाले नहीं बचेंगे।

– अनिल विज, स्वास्थ्य मंत्री।

श्रीनगर डेंटल कॉलेज में भी कर चुकी कंपनी गड़बड़झाला

गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल श्रीनगर के आदेश अनुसार इस कंपनी ने एप्रूव्ड रेट कांट्रेक्ट के आधार पर अलग-अलग परचेज ऑर्डर के तहत 24-25 डेंटल चेयर सप्लाई की थीं। इन चेयर्स पर 2 साल की वारंटी दी गई थी, लेकिन वारंटी अवधि के बाद इन चेयर्स ने काम करना बंद कर दिया। जब इस कंपनी को चेयर्स को ठीक करने अथवा बदलने को कहा गया तो कंपनी ने न तो इन्हें ठीक किया और न ही 10 महीने तक कोई प्रत्युत्तर दिया। जांच में पता चला कि कंपनी के रेट मार्केट से काफी अधिक हैं।

ऑनलाइन खरीदारी से तोड़ा गया खरीदारों का ग्रुप

सरकारी खरीद प्रक्रिया पर लंबे समय से सवाल उठ रहे हैं। बाकायदा खरीदारों का एक ग्रुप सरकारी अधिकारियों से मिलकर काम करता है। यही ग्रुप फर्जी कंपनियां बनवाता है और अधिकारियों के साथ सेटिंग करता है। सरकारी खरीद के लिए राज्य में सप्लाई एवं डिस्पोजल विभाग भी है, लेकिन खरीदारी ऑनलाइन बोली प्रक्रिया और आन लाइन टेंडर के जरिए करने के फैसले से खरीदारों का ग्रुप टूट गया।

बदमाश समझ लोगों ने की हैदराबाद पुलिस की धुनाई

मामले की जानकारी देते पुलिसकर्मी।

संसू, सफीदों : शहर में बढ़ती लूटपाट व अन्य आपराधिक घटनाओं के चलते शनिवार को अपहरण के संदेह में हैदराबाद से आई पुलिस के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। टीम के दो पुलिस कर्मियों की स्थानीय लोगों ने पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि हैदराबाद पुलिस के साथ न तो स्थानीय पुलिस थी और न ही वे वर्दी में थे। उन्होंने अपने आप को पुलिस कर्मी बताते हुए एक व्यक्ति को जबरदस्ती एक निजी कार में बैठाने लगे, जिसके बाद व्यक्ति के शोर मचाने पर वहां अन्य लोग एकत्रित हो गए। मामला कहासुनी तक आ गया और तभी मारपीट शुरू हो गई। इसकी सूचना हैदराबाद पुलिस ने सफीदों थाना पुलिस को दी।

ये था मामला : शनिवार सुबह हैदराबाद से सादी वर्दी में पुलिस कर्मी कृष्णा, आलम पल्ली, अलूर सेठी व दीपक नामक व्यक्ति के साथ एक निजी कार में सफीदों की पुरानी अनाज मंडी में पहुंचे। वहां वह जितेंद्र उर्फ पिंटू को जबरदस्ती कार में डालने की कोशिश करने लगे। इससे जितेन्द्र घबरा गया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर वहां लोग एकत्रित हो गए और इसे अपहरण की घटना समझकर पिंटू को छुड़वाने का प्रयास करने लगे।

15 लोगों पर मामला दर्ज

हैदराबाद के हवलदार अलूरी सेठी की शिकायत पर पुलिस ने पिंटू, रमेश, राकेश, कृष्ण लाल, जयप्रकाश सहित लगभग 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच की जा रही है। **सज्जन कुमार, एसएचओ सफीदों**

महिला थानों में बढ़ेंगी पुलिसकर्मी, खिलाड़ी बनेंगी ब्रांड अंबेसडर

राब्यू, चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार पुलिस में महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी। करीब एक हजार महिला पुलिस कर्मियों की भर्ती होगी। इस भर्ती के बाद महिला थानों में अधिक पुलिसकर्मी भेजी जाएंगी। राज्य सरकार अपने प्रदेश की खिलाड़ियों को भी ब्रांड अंबेसडर बनाने पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि फिलहाल हरियाणा पुलिस में महिला पुलिस कर्मियों की संख्या 5 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने राज्य सरकार की महिला थाने खोलने की पहल की सराहना की है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अधिक कदम उठाने का सुझाव दिया है। पड़ोसी राज्यों में हो रही कन्या भ्रूण जांच और हत्या रोकने से जुड़े सवाल पर मनोहर लाल ने कहा कि सभी राज्यों से संपर्क किया गया है।

वहां की सरकारें हरियाणा को सहयोग कर रही और अपने यहां भी कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए प्रयासरत नजर आ रही हैं। इंद्री के पूर्व विधायक और हिसार से दो बार चुनाव लड़ चुके व्यक्ति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने कन्या भ्रूण हत्या के काम में शामिल किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति तक को नहीं बख्शा है। उन्होंने कहा कि अच्छा काम करने वाले सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए एक योजना तैयार की जा रही है।

बालीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को ब्रांड अंबेसडर बनाने के बाद आए नतीजों का मुख्यमंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन इतना जरूर कहा कि हरियाणा की उत्कृष्ट महिला खिलाड़ियों को ब्रांड अंबेसडर बनाने पर विचार चल रहा है। चाहे कोई फिल्म अभिनेत्री हो या फिर दूसरा कोई, ऐसे ब्रांड अंबेसडर बनाने पर कोई राशि नहीं खर्च की गई है। भविष्य में भी ऐसी सेवाओं को स्वैच्छिक आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने कन्या महाविद्यालयों की मैपिंग करवाई है और जहां कहीं भी नए महाविद्यालयों की जरूरत होगी, खोले जाएंगे।